Fourteenth Loksabha

Session : 5
Date : 16-08-2005

Participants : Jatiya Dr. Satyanarayan

an>

Title : Presentation of study tour reports of the Committee on the welfare of Scheduled Castes and Scheduled Tribes.

डॉ. सत्यनारायण जटिया (उज्जैन) : अध्यक्ष महोदय, मैं निम्नलिखित की एक-एक प्रति सभा पटल पर रखता हूं -

(1) अनुसुचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के कल्याण संबंधी समिति के अध्ययन दल-एक के अक्तूबर, 2004 के दौरान हैदराबाद, चेन्नई, बंगलौर, तिरुवनंतपुरम और मुम्बई के अपने दौरे के संबंध में दौरा प्रतिवेदन ; और

(2) अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के कल्याण संबंधी समिति के अध्ययन दल-दो के अक्तूबर-नवम्बर, 2004 के दौरान जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, मुम्बई और पुणे के अपने दौरे के संबंध में दौरा प्रतिवेदन।

MR. SPEAKER: Item 9, Calling Attention.

… (*Interruptions*)

श्री रामजीलाल सुमन (फ़िरोज़ाबाद) : अध्यक्ष महोदय, मैंने विशेाधिकार हनन का नोटिस दिया है। …(व्यवधान)

MR. SPEAKER: You please sit down. I am trying to conduct a very important issue that has been raised.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I am yet to decide. Initially, I said today; ultimately, I said next week. Still, there are two days more.

… (*Interruptions*)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर) : अध्यक्ष महोदय, जो नियम हैं. हमें उस पर कोई आपत्ति नहीं है। …(व्यवधान)

MR. SPEAKER: This is not the time.

… (*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदयः एक-एक करके बोलें।

…(व्यवधान)

MR. SPEAKER: What are you talking about?

… (*Interruptions*)

DR. M. JAGANNATH (NAGAR KURNOOL): The Supreme Court, in its ruling, said that the State cannot enforce any reservation or fix a quota or percentage for admissions into unaided professional colleges.… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I would earnestly request you all to please cooperate.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I will allow all sections to the best of my ability and within the available time.

… (*Interruptions*)

DR. M. JAGANNATH : It is a lethal blow to the interests of Scheduled Caste or Scheduled Tribe or Other Backward Class population. This is a matter of urgent public importance. Hence, it should be discussed immediately.… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: This is not the way to raise it. Dr. Jagannath you know that I will not allow it to be recorded.

*(Interruptions)**

MR. SPEAKER: Unless you speak with my permission, I will not allow it to be recorded.

*(Interruptions)**

DR. M. JAGANNATH : This is a matter of urgent public importance. This is the gravity of the situation.… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: There are many matters.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: You should wait for the 'Special Mentions', provided you have given any notice.

… (*Interruptions*)

DR. M. JAGANNATH : Sir, I have given a notice.

MR. SPEAKER: Then, you can wait for it. You are all senior Members by this time. By disturbing the business, you are not helping us.

… (*Interruptions*)

DR. M. JAGANNATH : Our intention is not to disturb the House. But the issue is of very urgent importance.… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: This is not the way. You may go on for the whole day, that will not affect me; I can tell you.

… (*Interruptions*)

DR. M. JAGANNATH : Please allow me. … (*Interruptions*)

---

*Not recorded

MR. SPEAKER: I am sorry. You should have known it by this time.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: It is not being recorded.

*(Interruptions)…**

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव अध्यक्ष महोदय, प्रिवलेज मैटर के संबंध में नियम 225 है। नियम 225 के (2) में "यदि अनुमति दिए जाने पर आपत्ति हो" के संबंध में लिखा है। यह प्रिवलेज का मामला केवल आपसे जुड़ा नहीं है, वह पूरे सदन से जुड़ा है। संसद के आसन का मतलब है …(व्यवधान) संसदीय लोकतंत्र में यह आसन सर्वोच्च है। यह केवल आपका व्यक्तिगत मामला नहीं है, यह सदन की प्रॉपर्टी है इसलिए मैं इस सवाल को उठाना चाहता हूं। आप नियम के तहत कोई फैसला करें। …(व्यवधान)

MR. SPEAKER: It was raised by you. I have said that I shall give my ruling. Ultimately, I have to give the ruling whether it concerns all or me.

… (*Interruptions*)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव आपकी रूलिंग सर्वोच्च है, हम शिरोधार्य हैं। …(व्यवधान) अगले सप्ताह जब भी नियमन देना हो …(व्यवधान) आप एक मिनट मेरी बात सुन लीजिए। संसद में पहली बार अभूतपूर्व प्रीसिडेंट हुआ और माननीय मल्होत्रा जी ने उस पर आपत्ति की थी। …(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Please sit down.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Both of you cannot speak together. Please sit down.

… (*Interruptions*)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : नियम 225 (2) में साफ लिखा है कि -

> " यदि अनुमति दी जाने पर आपत्ति की जाए तो अध्यक्ष उन सदस्यों से जो अनुमति दी जाने के पक्ष में हों, अपने स्थानों पर खड़े होने के लिए कहेगा और तदनुसार यदि कम से कम पच्चीस सदस्य खड़े हों तो अध्यक्ष सूचित करेगा कि अनुमति दी जाती है। यदि 25 से कम सदस्य खड़े हों, तो अध्यक्ष सदस्य को सूचित करेगा कि उसे सभा की अनुमति नहीं है। "

---

*Not recorded

नियम 226 में लिखा है कि -

> " यदि नियम 225 के अन्तर्गत अनुमति दे दी जाए, तो सभा प्रश्न पर विचार कर सकेगी और विनिश्चय कर सकेगी या विशे-ाधिकार प्रश्न उठाने वाले सदस्य द्वारा या किसी अन्य सदस्य द्वारा दिए गए प्रस्ताव पर उसे विशेाधिकार समिति को सौंप सकेगी। "

यह आपको अधिकार है। …(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदयः अधिकार तो है लेकिन उसका प्रयोग करने के लिए मौका दीजिए।

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : यदि आप केवल इसे अपने साथ जोड़ते हैं तो मैं इसलिए आपसे निवेदन कर रहा हूं। …(व्यवधान) संसदीय लोकतंत्र में जो सर्वोच्च संस्था है, वह स्थायी है। यह संस्था किसी की प्रॉपर्टी नहीं है चाहे कोई भी पक्ष हो, सत्ता पक्ष हो या विरोध पक्ष हो। यह केवल सदन के आसन का सवाल नहीं है। इससे सम्पूर्ण सदन की मर्यादा भंग हुई है। जानबूझकर विधायिका पर हमला किया गया है। एक लेखक के जरिए जिस तरह का रिमार्क हुआ है, वह अभूतपूर्व cè[c17]। इसे प्रिविलेज समिति को भेजा जाए।

MR. SPEAKER: Nothing more;you have to wait for my ruling. Now-a-days I have many critiques and many admirers also. I am getting lot of advice in the papers also. I have got the benefit of too many advisors also. In the Press every day I am getting advice. I have said, I have reserved my ruling. I am not bound to give it today. Last Friday I said, I will give it today. But also on Friday itself, later on I said, I will give it this week. Today is the first working day in this week. There are two more working days.